विचार बिन्दु

हिंसा के मुकाबले में लाचारी का भाव आना अहिंसा नहीं कायरता है। अहिंसा को कायरता के साथ नहीं मिलाना चाहिए। –महात्मा गाँधी

मोदी है तो सम्भव है

हम भारत के लोगों ने, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न धर्म निरपेक्ष लोग तंत्रात्मक गणतंत्र बनाने का संकल्प लिया था तथा घोषणा की थी कि सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक न्याय मिलेगा। जहां अभिव्यक्ति की विश्वास, धर्म, उपासना की उन्हें स्वतंत्रता होगी। व्यक्ति की गरिमा, राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित होगी। सब में बन्धुत्व की भावना होगी। भारत के लोगों ने अपना सविधान बनाया था उसे अंगीकृत किया था, अधिनियमित कर अपने ही लोगों को दिनांक 26.11.2025 को आत्मार्पित किया था।

हम भारत के लोग, पहलगाम की घटना से अत्यन्त आहत् हैं, दुखीं हैं व व्यथित हैं, क्योंकि हमारे अपने ही लोगों का उनका धर्म पूछकर निरंकुश होकर बर्बरता के साथ गोलियों से भून दिया था। दुर्दन्त हमलावर, आतंकवादियों ने जिनमें अब तक की जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी, सेना का आशिम फौजी और स्थानीय आतंकी आदिल थोकर है। ये लश्कर-ए-तैयबा से जुडे हुये हैं। इन्होंने पाकिस्तान में पाकिस्तानियों से प्रशिक्षण प्राप्त किया था और इनके आकाओं ने साजिश रची थी।

हम भारत के 142 करोड लोग, आतंकवाद के विरूद्ध इस जंग में एकजुट हैं। पहलगाम हमले में आतंकियों ने जो कुंठित कायरता दिलाई है, उससे हम लोगों का खून खौल रहा है। संसार की किसी ताकत में देश की एकता व अखण्डता को खंडित करने की ताकत नहीं है। हम भारत के लोग दोषियों को सख्त सजा देंगे। भारत देश, पाकिस्तान व वहां के हुकमरान के विरूद्ध एक सुर में खडा है और आतंकवाद को समाप्त करने पर संग्राम को तैयार है। पीडित परिवार के लोगों को विश्वास दिलाया है कि उन्हें न्याय मिलेगा। हमलावरों और उनके साथियों और उनके आकाओं को सख्त से सख्त सजा दी जावेगी।

हम भारत के लोग, देश के यशस्वी पीएम मोदी के साथ हैं। देश के सभी राज्य, (जम्मू-कश्मीर सहित) व यहां के आमजन, संसद के सभी सांसद, पूरा पक्ष व विपक्ष एक राष्ट्र है। हमारी एकता देश की अखण्डता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में सबको पूरा भरोसा है। देश पीएम मोदी की निर्णायक शक्तियों से परिचित है। उनके साहसिक निर्णयों से पाकिस्तान परिचित है। देश हित उनके लिये सर्वोपरी है। वे आवश्यकता व देश हित में पुराने निर्णय भी बदलने में सामर्थ रखते हैं। उनका स्लोगन है ''काट देंगे उन हाथों को जो देश की जनता के विरूद्ध बढेंगे''। गत 75 वर्षों में देश ने मोदीजी आप जैसा हमने नहीं देखा है। पाकिस्तान को उसके अन्जाम तक पहुंचाने की ताकत आप में है। आपका यह विश्वास सूत्र कि ''हमले के जिम्मेदार हर आतंकी और उसके समर्थकों की पहिचान की जावेगी उनका पृथ्वी के आखरी छोर तक पीछा किया जावेगा और उन्हें ऐसी सजा दी जावेगी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी।'' उनकी वाणी की ऊर्जा ने लोगों को शक्ति से भर दिया है। हमें विश्वास है हमें शत्रु पर घातक प्रहार व सर्जिकल स्ट्राइक करनी चाहिये।

हम भारत के लोग, देख चुके हैं कि आप मोदीजी तत्काल निर्णय सबको साथ लेकर कैसे करते हैं। जल संधि निलम्बन इसका एक उदाहरण है। कुछ समय बाद पाकिस्तान पानी को तरसेगा। झेलम में पानी छोडकर पाकिस्तान के एक भाग में बाढ की स्थिति पैदा की है। लोग भयभीत हैं और हमें ऐसी स्थिति पैदा करनी है कि विरोधी कांप उठें।

हमारी एकता देश की अखण्ड़ता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में सबको पूरा भरोसा है। देश पीएम मोदी की निर्णायक शक्तियों से परिचित है। उनके साहसिक निर्णयों से पाकिस्तान परिचित है। देश हित उनके लिये सर्वोपरी है। वे आवश्यकता व देश हित में पुराने निर्णय भी बदलने में सामर्थ रखते हैं। उनका स्लोगन है ''काट देंगे उन हाथों को जो देश की जनता के विरूद्ध बढेंगे''।

हम भारत के लोगों को, मोहन भागवत का संदेश है कि ''भारत ने कभी पडोसियों को नुकसान नहीं किया। अगर कोई बुराई पर उतर आये तो फिर रास्ता नहीं बचता। राजा का कर्त्तव्य है कि वह प्रजा की रक्षा करे और उसे अपना धर्म निभाना ही चाहिये। मोदी की सोच भी सही है।'' मन की बात में मोदी जी ने कहा ''आतंकवाद के खिलाफ लडाई में 142 करोड भारतीयों की एकजुटता हमारी सबसे बडी ताकत है।''

भारत के लोगों को, संदेश देते हुये यशस्वी विद्वान व दार्शनिक गुलाब कोठारी ने राजस्थान पत्रिका के दिनांक 27.04.2025 के अंक में लिखा कि ''हमारे सामने आर पार की लडाई के लिये इससे अच्छा समय नहीं आयेगा। मत चूको चौहान। सिन्धु जल समझौता स्थगित रखना उचित कदम है; किन्तु हमें इस पर दृढता से टिके रहना है। ..... इसकी शुरूआत पीओके के कब्जे वाली कश्मीर की धरती से कर देनी चाहिये। वह हमारी है। उसे फिर से छीन लेना भी हमारा अधिकार है। दुनियां को यह संदेश देना भी आज की जरूरत है''।

हम भारत के लोग, पक्ष विपक्ष के नेता जाति धर्म के भेदभाव को छोड़कर सभी विद्वान, धर्मगुरू, साधारण व असाधारण जन मानस जिनमें ओबीसी भी अछूते नहीं हैं, उपरोक्त विचारधारा से सहमत हैं और आतंकवाद के घोर विरोधी हैं। अत: भारत के लोग उनके संदेशों को अपनाते हुये मोदीजी से निवेदन करते है:–

''मोदीजी आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं।

पूरा देश तुम्हारे साथ है। पूरा देश व विपक्ष और संसार की शक्तियाँ आपके साथ हैं। संकट में सदैव आपके साथ रहे हैं; किन्तु पाकिस्तान को तैयारी का मौका न दें।.....हमारी स्थिति मजबूत है। सिवाय इसके कि कश्मीर में कुछ देशद्रोही बैठे हैं।''

माननीय प्राईम मिनिस्टर श्री मोदीजी, हम भारत के लोग आपसे अनुरोध करते हैं कि (1) पहलगाम की बर्बर घटना का आतंकवादियों से और उनके आकाओं से बदला लेना आवश्यक है। उन्हें धूल चटानी है, सजा दिलाना है। हमारी धरती हमें प्राप्त करनी है। हमें कब्जा चाहिये क्योंकि पीओके हमारा था और सदैव हमारा रहेगा। हमें अतिक्रमणकारियों से अपनी धरती छींनकर प्राप्त करना आता है। यह हमारा अधिकार है। समय की पुकार है, यह सही समय है। (2) जल संधि निलम्बन के मामले में तीव्र गति लानी होगी ताकि राजस्थान को भी पानी का हक मिल सके (3) झेलम की बाढ़ पाकिस्तान के लिए एक डरावना सपना है, उसे चालू रखा जावे (4) जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की बाढ़ आनी चाहिये। देश की आन बान शान का प्रश्न है।

हम भारत के लोग, यह जानते हैं कि 'पीओके' जम्मू-कश्मीर का वह भाग था जो विलय से पूर्व जम्मू-कश्मीर राज्य के राजा का अभिन्न भाग था। पूरे राज्य का विलय भारत के साथ हुआ अत: वह भाग जम्मू-कश्मीर का भी अभिन्न अंग रहा। विलय के बाद कबायलियों की सेना बनाकर पाकिस्तान की सेना ने भारत के इस भाग पर आक्रमण किया वे आज के पीओके वाले भाग में घुस आये। भारतीय सेना ने उन्हें खदेड़ा। विवाद यूएनओ में चला गया। इसका तीन पार्टस् में समझौता हुआ। पार्ट-I में युद्ध विराम पार्ट-II में ट्रूस एग्रीमेन्ट और पार्ट-III में प्लेबी साइट का उल्लेख है।

सिक्यूरिटी कॉन्सिल के समक्ष पाकिस्तान ने स्वीकार किया कि वह अपनी सेना को जम्मू-कश्मीर की सीमा से विद्ड्रो करने के बाद उक्त क्षेत्र लोकल ऑथोरिटी कमीशन की निगरानी में रहेगा।

पाकिस्तान ने इन शर्तों की पालना नहीं की इतने वर्षों के बाद आज भी पाक सेना व कबायली वहां हैं इससे स्पष्ट है कि पीओके पर पाकिस्तान का कब्जा अतिक्रमणकारी का है और भारत को अपनी भूमि पर कब्जा करने का पूर्ण अधिकार है। भारत की जनता को पीओके पर कब्जा चाहिये। मोदीजी ने सेना को निर्देश दे दिया है कि वक्त की नज़ाकत को देखते हुये कोई भी उचित कदम उठाकर भारत को उसकी अपनी ही जमीन पर कब्जा दिलाये। वहां पीओके के भारतीय भारत की सेना के स्वागत के लिये तैयार हैं।

झंडा ऊँचा रहे हमारा, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा।

विनीत, हम हैं भारत के लोग

द्वारा

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

क्या केवल कोचिंग संस्थान के बच्चे ही सफल होते हैं?

राजेन्द्र जोशी

विकास में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है, जो देश शिक्षित है वह विकसित हैं। बहुत से देशों ने शिक्षा को सही रास्ते चलना बता दिया तो वह देश विकास के रास्ते खुद-ब-खुद चलने लगा। आजादी के आठवें दशक में आते हुए हमारा देश अभी यह तय नहीं कर पाया कि शिक्षा किस रास्ते चलेगी। शिक्षा पर लगातार सवाल उठते रहे हैं, शिक्षा का रंग समय-समय पर बदलता रहा है, रंग भले बदले लेकिन शिक्षा का रास्ता एक ही होना चाहिए। देश में नई शिक्षा नीति 2020 लागू होने के पांच साल बीत जाने के बाद भी नई शिक्षा नीति शत-प्रतिशत रूप से लागू नहीं हुई। उच्च शिक्षा तक देश में लगभग 35 प्रतिशत विद्यार्थी ही पहुंच पाते हैं। उसमें भी अधिकतर विद्यार्थी ड्रॉप आउट हो जाते हैं। उच्च शिक्षा में न्यूनतम सफलता तो सभी को लगभग लगभग मिल जाती हैं। परंतु उच्च शिक्षा व्यावसायिक शिक्षा और रोजगार में कितनी सफल हो पाती हैं उसकी दर बहुत कम हैं।

नई शिक्षा नीति आने के बाद भी हमारे देश में एक बहस छिड़ी हुई है कि कोचिंग संस्थानों का उपयोग कैसे हो ? कुछ लोग इसे बदलना चाह रहे हैं, कुछ प्रदेश इसमें औपचारिक शिक्षा का भविष्य अंधकार में देखते हैं। यहां यह भी स्पष्ट है कि उच्च शिक्षा में प्रवेश करने वाले शत-प्रतिशत विद्यार्थी कोचिंग संस्थानों में नहीं जा पाते, ऐसा भी नहीं है कि कोचिंग संस्थान के विधार्थी ही शैक्षिक परिदृश्य को बदल रहे हैं, ऐसा नहीं है।

यह भी नहीं है कि प्रतिस्पर्धा के दौर में यूपीएससी, आइआइटी, सीए, एनईईटी, यूजी, अथवा नीट जैसी परीक्षाओं में केवल कोचिंग उद्योग के विधार्थियों को सफलता मिल रही हैं।

कोचिंग संस्थानों ने अभिभावकों के दिमाग को बदल दिया, उनको लगता है कि यदि उनके बच्चे कोचिंग में नहीं जाएंगे तो बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। ऐसे में वह अपने बच्चों को नियमित शिक्षण संस्थानों में केवल नामांकित करते हैं और शेष शिक्षा व्यवस्था कोचिंग संस्थानों के भरोसे छोड़ देते हैं। सरकार को सोचना होगा, अगर ऐसा है तो फिर डमी विद्यार्थी के रूप में विद्यालयों में प्रवेश दिया जाए अथवा नहीं। इस पर नई शिक्षा नीति को विचार करना चाहिए। केवल डमी नामांकन होने से उपलब्ध संसाधनों का भरपूर उपयोग नहीं हो पा रहा हैं। यह चेतावनी होनी चाहिए कि औपचारिक शिक्षा के तहत उपलब्ध बुनियादी ढांचे पर फिर से विचार करने की जरूरत है। हम फिर बार-बार शिक्षकों की कमी की बात क्यों करते हैं? हमें स्पष्ट होना चाहिए कि कौन विद्यार्थी डमी रहेगा, अगर सरकार को चाहिए कि डमी विद्यार्थी रखना नहीं चाहती है तो कोचिंग संस्थानों को निजी शिक्षण संस्थान के रूप में मान्यता भी दे देनी चाहिए, जिससे वह अपने तरीके से बच्चों को शिक्षण में लगा सके। यह वही बात है की दो घोड़ो की सवारी उचित नहीं होती, कोचिंग में पढ़ने वाले लगभग सभी बच्चे सफल तो नहीं हो पाते, फिर ऐसे में असफल रहने वाले बच्चें अवसाद में आ जाते हैं, वही उनके अभिभावक खुद निराश होकर बच्चों को प्रोत्साहित नहीं कर पाते। विडंबना तो तब है कि जब देश में दो-तीन दशक से कोचिंग उद्योग सरकार के सामने पनप रहा हैं। और सरकार को यह भी जानकारी में है कि कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में डमी विद्यार्थी के रूप में नामांकित हैं फिर भी सरकार का तंत्र इस पर कोई विचार-मंथन नहीं कर रहा।

कोचिंग संस्थानों को आरोपित करने से पहले यह मूल्यांकन करना जरूरी है कि वर्तमान में हमारे कॉलेज, विश्वविद्यालय और स्कूलों में डमी विद्यार्थीयों के अतिरिक्त दूसरे विद्यार्थी कितनी देर कक्षा में ठहरते हैं, कितनी कक्षाएं नियमित रूप से लग रही हैं, उन कक्षाओं में पढ़ाई कितनी हो रही हैं। हम आमतौर पर किसी भी संस्थान को खारिज करने में आगे रहते हैं। हम असल मुद्दों से भटकाने में माहिर हैं। हम नियमित रूप से कोचिंग संस्थानों को आरोपित करते रहते हैं, जिससे हमारे नियमित शिक्षण संस्थाओं का मूल्यांकन हो ही ना सके। मैं इस समय कोचिंग संस्थानों की वकालत नहीं कर रहा बल्कि औपचारिक शिक्षा को मूलभूत बुनियादी ढांचे में अत्यधिक अनुशासन के साथ स्थापित करने की बात करना चाहता हूं। यहां यह बहुत जरूरी है कि नई शिक्षा नीति औपचारिक शिक्षा को बचाने में कितनी कारगर साबित होगी इस पर फिर से विचार करना होगा। लोकतंत्र में जो जिम्मेदारी तंत्र की होती है उस पर किसी प्रकार की जिम्मेदारी तय क्यों नहीं हो पाती। शिक्षा हमारे देश या किसी भी देश के विकास की धुरी है, औपचारिक शिक्षा को बचाना है, उसको खंड-खंड नहीं करना है, तो कोचिंग संस्थानों के साथ ईमानदारी से विचार करना होगा।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

दीया कुमारी ने श्री खाटूश्यामजी मंदिर कॉरिडोर के विकास कार्यों की डीपीआर की समीक्षा की

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने खाटूश्यामजी मंदिर को विश्वस्तरीय तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

सीकर, (निसं)। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ भवन खाटूश्यामजी में शेखावाटी क्षेत्र की ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण और श्री खाटूश्यामजी मंदिर कॉरिडोर के विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर आयोजित बैठक में सीकर, झुंझुनूं और चूरू के जिला कलेक्टर, पर्यटन हितधारक, श्री श्याम मंदिर कमेटी के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने खाटूश्यामजी में शेखावाटी क्षेत्र की ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण और श्री खाटूश्यामजी मंदिर कॉरिडोर के विकास कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में उप मुख्यमंत्री ने शेखावाटी की सांस्कृतिक धरोहर को मूल स्वरूप में संरक्षित करने और खाटूश्यामजी मंदिर को विश्वस्तरीय तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उप मुख्यमंत्री कुमारी ने शेखावाटी की विश्व प्रसिद्ध हवेलियों के संरक्षण के लिए किए जाने वाले प्रभावी उपायों पर जोर दिया। उन्होंने हवेलियों की रजिस्ट्री और स्थानांतरण के दौरान कड़ी जांच, जिला व नगर पालिका स्तर पर कमेटी गठन, नियमित मॉनिटरिंग और अतिक्रमण हटाने की त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में हेरिटेज संरक्षण के लिए विधानसभा में विशेष एक्ट लाने की आवश्यकता पर बल देते हुए तमिलनाडु के चेट्टीनाड मॉडल का अध्ययन कर शेखावाटी में लागू करने का सुझाव दिया। वहीं यूनेस्को की हेरिटेज रिपोर्ट की समीक्षा कर इन स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए बेहतर कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। हितधारकों ने हवेलियों के लिए जोन निर्धारण, हेरिटेज कंजर्वेशन अथॉरिटी गठन और पर्यटन केंद्रित बजट जैसे सुझाव दिए, जिन्हें उप मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लेते हुए सभी जिला कलेक्टर्स को त्वरित कार्यवाही के लिए कहा।

- **बैठक में हेरिटेज संरक्षण के लिए विधानसभा में विशेष एक्ट लाने की आवश्यकता पर बल देते हुए तमिलनाडु के चेट्टीनाड मॉडल का अध्ययन कर शेखावाटी में लागू करने का सुझाव दिया**

खाटूश्यामजी मंदिर कॉरिडोर का होगा भव्य विकास : बैठक में केन्द्र सरकार की स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत स्वीकृत श्री खाटूश्यामजी मंदिर कॉरिडोर के विकास कार्यों की डीपीआर की समीक्षा की गई। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने बताया कि भारत सरकार ने राज्य के प्रस्ताव पर पूर्ण बजट स्वीकृत किया है, जिससे मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा। डिजिटल म्यूजियम, इंटरप्रिटेशन सेंटर, ओपन एयर थिएटर, लाइट एंड साउंड शो, कथा पंडाल, कैफेटेरिया, पार्किंग, फूड कोर्ट और मुख्य प्रवेश द्वारों की प्रगति की समीक्षा कर उन्होंने आवश्यक सुझाव दिए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एंट्री पॉइंट्स पर पार्किंग, ड्रेनेज सिस्टम और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट जैसे कार्यों के लिए राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त बजट आवंटन की घोषणा की। वहीं खाटूश्यामजी मंदिर की दर्शन व्यवस्था को और सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन, मंदिर कमेटी और जनप्रतिनिधियों से सुझाव लेकर कार्य योजना को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण से संबंधित सुझावों को अमल में लाने के लिए शीघ्र ही जयपुर में सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें कार्य योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में सीकर जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा, झुंझुनूं जिला कलेक्टर रामावतार मीणा, श्री श्याम मंदिर कमेटी के प्रतिनिधि, पर्यटन विभाग, राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम (आरएसआरडीसी), राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एवं संबंधित विभागों के अधिकारी, जन प्रतिनिधि और शेखावाटी क्षेत्र के हितधारक शामिल रहे।

बाड़मेर में तापमान 46, बीकानेर में 45 डिग्री पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। यहां तापमान एक बार फिर 45 डिग्री सेल्सियस का आंकड़ा पार कर गया है। आशंका जताई जा रही है कि तीन मई तक बीकानेर में तेज गर्मी रहेगी। गर्मी से राहत मिलने के साथ ही अंधड़ और तूफान परेशान कर सकता है। मौसम विभाग ने बीकानेर के लिए एक बार फिर ओरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य में सर्वाधिक न्यूनतम तापमान बीकानेर में 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

- **तीन मई तक बीकानेर में तेज गर्मी रहेगी, गर्मी से राहत मिलने के साथ ही अंधड़ और तूफान परेशान कर सकता है**

राज्य के पश्चिमी राजस्थान के जिलों में ही पिछले चौबीस घंटे में हीट वेव का असर रहा है। जिसमें बीकानेर के साथ ही जोधपुर, बाडमेर और जैसलमेर भी शामिल है। बाडमेर में पारा 46 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया है। राज्य के जोधपुर, बीकानेर व उदयपुर संभाग में कहीं कहीं हीट वेव दर्ज की गई राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 46.8 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 4.7 डिग्री) दर्ज किया गया।

राज्य में सर्वाधिक न्यूनतम तापमान बीकानेर में 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अक्षय तृतीया पर बीकानेर में 45 डिग्री तापमान के बाद भी पतंगबाजी का दौर सूर्यास्त के बाद भी जारी रहा। तापमान में बढ़ोतरी का ये दौर मई के पूरे महीने में जारी रहने की उम्मीद की जा रही है। अधिकतम तापमान अब चालीस डिग्री सेल्सियस से नीचे आने की उम्मीद नहीं है। आने वाले दिनों में मेघ गर्जन के साथ बारिश और आंधी का सामना भी बीकानेरवासियों को करना पड़ सकता है।

जेईई-एडवांस्ड : आवेदन प्रक्रिया जारी

कोटा, (निसं)। देश की सबसे प्रतिष्ठित एवं कठिनतम इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-एडवांस्ड इस वर्ष 18 मई को दो पारियों में सुबह 9 से 12 एवं 2.30 से 5.30 बजे तक आयोजित होगी। आईआईटी कानपुर की ओर से आयोजित की जा रही इस परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। अब तक करीब 1.50 लाख स्टूडेंट्स आवेदन कर चुके हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 2 मई, शुक्रवार, रात 11.55 बजे तक है। कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि हर वर्ष जेईई-मेन के लाखों स्टूडेंट्स में से शीर्ष 2.50 लाख स्टूडेंट्स को जेईई-एडवांस्ड परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया जाता है। हर वर्ष इन क्वालीफाई स्टूडेंट्स में से बड़ी संख्या में हजारों ऐसे स्टूडेंट्स होते हैं जो पात्र होने के बाद भी परीक्षा में शामिल नहीं होते। गत 6 वर्षों की स्थिति देखे तो करीब 5 लाख स्टूडेंट्स ऐसे हैं, जो जेईई-एडवांस्ड परीक्षा के लिए पात्र होने के बावजूद परीक्षा में शामिल नहीं हुए।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह के मामले सामने आये

प्रशासन और पुलिस की सतर्कता से कई बाल विवाह को रोका गया

भीलवाड़ा, (निसं)। हाल ही में मनाई गई आखातीज (अक्षय तृतीया) के अवसर पर बाल विवाह की घटनाएं सामने आई हैं। हालांकि प्रशासन और पुलिस की सतर्कता से कई बाल विवाहों को रोका गया, लेकिन एनजीओ के दावे खोखले साबित होते नजर आए।

बिजौलियां क्षेत्र के तिलस्वा महादेव पर बंजारा समाज के 15 जोड़ों की शादी हुई, जिसमें 4 नाबालिग लड़कियों के बाल विवाह हुए, इनमें आरोली, चम्पापुर, मध्यप्रदेश के नीमच मनासा आदि जगह से जोड़े शामिल थे। जोगणियां माता मंदिर में भीलवाड़ा के समीप मंगलपुरा से राव परिवार के जोड़े धोक लगाने पहुंचे। प्रशासन के डर से दो दिन पहले ही इनके फेरे करवा दिए गए। आखातीज को अबूझ सावा माना जाता है, जिसके कारण इस दिन विवाहों की संख्या अधिक होती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में इस अवसर का लाभ उठाकर बाल विवाह किए जाने की प्रवृत्ति देखी गई है। हालांकि प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए गत दिनों में 156 बाल विवाह रुकवाए जरूर हैं, फिर भी कुछ स्थानों पर बाल विवाह की घटनाएं हुई हैं। जिले में महिला अधिकारिता विभाग ने बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या और घरेलू हिंसा के विरुद्ध जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए। महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई, लेकिन इन आयोजनों की जमीनी हकीकत ये तस्वीरें बया कर रही है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 2 मई, 2025

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र दिन 01:04 तक, धृति योग रात्रि 3:20 तक, बालव करण प्रात: 9:15 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और कुमार योग दिन 1:04 से सूर्योदय तक है। रवियोग दिन 1:04 से आरम्भ होगा। आज श्री आद्य शंकराचार्य जयन्ती, संत सूरदास जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:30 तक, लाभ अमृत 7:30 से 10:46 तक, शुभ 12:24 से 2:02 तक, चर 5:18 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:52, सूर्यास्त 6:56

मेष

व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

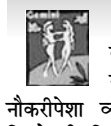

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

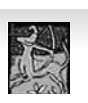

धनु

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

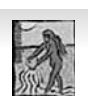

कुंभ

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।